सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

इंतजार मत करिए। सही समय कभी नहीं आता।
-नेपोलियन हिल

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 132 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 18 जून, 2026

गिल की कप्तानी में भारत ने जीती... 7 | झारखंड व बिहार में सियासी रस्साकसी... 3 | भाजपा सरकार के लिए धर्म का... 2

मामूली हैसियत वाले गुजराती व्यापारी राजेश मेहता ने कर डाला 15 लाख करोड़ से ज्यादा का घोटाला

- गुजरात की आरईएल कंपनी ने सेबी से छिपाए अपनी कंपनी की पूंजी की जानकारी
- नियामक संस्था ने कंपनी पर लगाया कारोबार करने पर रोक
- मेहता ने एलआईसी और सार्वजनिक बैंकों का पैसा अपनी निजी खातों में डलवाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय पूंजी बाजार में एक ऐसा घोटाला सामने आया है जिस कंपनी की हैसियत कुछ करोड़ की है पर उसने ग्लोबल कंपनी के नाम कई छोटे देशों के जीडीपी के बराबर अपनी पूंजी लगभग 15 लाख करोड़ के ऊपर बताकर आम आदमी को ठगा ही नहीं भारत सरकार के सार्वजनिक निगमों जैसे एलआईसी व बैंको का अरबों रुपये ढकार गया। वही सेबी का कहना है कि गुजरात के एक बिजनेसमैन ने भारत में गेटकीपर और रेगुलेटर से 15 लाख करोड़ रुपये की जानकारी छिपा ली।

यही नहीं इतने बड़े घोटाले में राजेश मेहता का साथ बड़े रसूखदारों ने भी दिया जिन्होंने उसे भारत की सड़ेगले सिस्टम से लाभ उठाने में मदद की। दरअसल गुजरात के राजेश मेहता से जुड़ा कथित हजारों करोड़ रुपये का वित्तीय घोटाला सामने आने के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि कंपनी की वास्तविक स्थिति से अलग तस्वीर दिखाने के लिए फर्जी लेन-देन और संदिग्ध वित्तीय प्रविष्टियों के जरिए उसकी वैल्यू बढ़ाई गई। जैसे ही मामला सार्वजनिक हुआ, मुख्यधारा के बड़े मीडिया संस्थानों में इस पर अपेक्षित चर्चा नहीं दिखाई दी, जिससे और भी सवाल पैदा हुए। इतना ही नहीं उसने एलआईसी और सार्वजनिक बैंकों का पैसा अपनी निजी खातों में डलवाया।

राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का 99 प्रतिशत रेवेन्यू नकली

सेबी ने राजेश मेहता और आरईएल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने वित्त वर्ष 2011-12 और 2014-15 के बीच लगभग 1.12 लाख करोड़ रुपये के रेवेन्यू को गलत तरीके से दिखाया या पेश किया। आसान शब्दों में कहें तो, वित्त वर्ष 11-12 और 14-15 के दौरान कंपनी के बताए गए कुल रेवेन्यू का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा आरईएल और उसकी सब्सिडियरी कंपनियों से जुड़ा था, जो असल में नकली था।

4PM बिजनेस ने पहले एपिसोड में उठाया मामला

4PM बिजनेस ने अपने पहले ही एपिसोड में इस पूरे मामले को प्रमुखता से उठाते हुए राजेश मेहता के कारोबार और उससे जुड़े आरोपों की परतें खोलने का प्रयास किया। यह सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि उस पत्रकारिता की शुरुआत है जो बड़े नामों, बड़ी कंपनियों और सत्ता के करीब माने जाने वाले प्रभावशाली लोगों से जुड़े मामलों पर भी सवाल पूछने का दावा करती है। 4PM बिजनेस की पहली ही रिपोर्ट यह संकेत देती है कि आने वाले समय में चैनल कॉरपोरेट जगत, शेयर बाजार, बैंकिंग, उद्योग और आर्थिक नीतियों से जुड़े उन मुद्दों को भी उठाएगा जिन पर अक्सर खुलकर चर्चा नहीं होती। यदि शुरुआत का यह तेवर बरकरार रहा, तो आने वाले दिनों में कई बड़े खुलासे और महत्वपूर्ण पड़तालें देखने को मिल सकती हैं।

15.15 लाख करोड़ रुपये की गलत जानकारी दी गई

राजेश ने अपने रसूख से पूरी दुनिया में नाम बना रखा था। पर आज वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों ने उस शानदार सफलता की कहानी पर सवालिया निशान लगा दिया है। सेबी ने आरईएल और उसके मालिक राजेश मेहता की जांच से जुड़े एक अंतरिम आदेश में यह निष्कर्ष निकाला है कि पांच वर्षों में कथित तौर पर 15.15 लाख करोड़ रुपये की गलत जानकारी दी गई थी। नतीजतन, सिक्योरिटीज मार्केट रेगुलेटर ने राजेश मेहता को अगले आदेश तक राजेश एक्सपोर्ट्स की सिक्योरिटीज खरीदने, बेचने या किसी अन्य तरह का लेन-देन करने से रोक दिया है। आरईएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश मेहता ने 3 जून को कहा, यह एक अंतरिम आदेश है और इसमें कही गई कोई भी बात सच नहीं है। हम जांच के नतीजों को देख रहे हैं और जल्द ही इस पर विस्तृत बयान जारी करेंगे।

जनता को उठानी होगी आवाज

4PM बिजनेस ने इस मामले को उजागर कर देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन किया है। चैलन का मानना है कि ये जो भी पैसा घोटालेबाज ले उड़ते हैं वो आम आदमी की गाढ़ी कमाई होती है। जनता को भी इन घोटालेबाजों के साथ सरकार की संस्थाओं ईडी व सेबी के खिलाफ आवाज उठानी होगी ताकि सरकार ऐसे सख्त नियम बनाए जिससे कोई फिर से नीरव मोदी व विजय माल्या जैसे आमजन की गाढ़ी कमाई लूट कर विदेश न भाग जाए।

सेबी ने आरईएल के शेयरों में कारोबार करने से लगाई रोक

राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड -आरईएल के खिलाफ सेबी के अंतरिम आदेश में हाल के कॉर्पोरेट इतिहास में वित्तीय गड़बड़ी के सबसे बड़े मामलों में से एक का आरोप लगाया गया है। रेगुलेटर ने एक नया फोरेंसिक ऑडिट करने का आदेश दिया है और मेहता को किसी भी तरह से आरईएल के शेयरों में कारोबार करने से रोक दिया है। सेबी का कहना है कि गुजरात के एक बिजनेसमैन ने भारत में गेटकीपर और रेगुलेटर से 15 लाख करोड़ रुपये छिपाए।

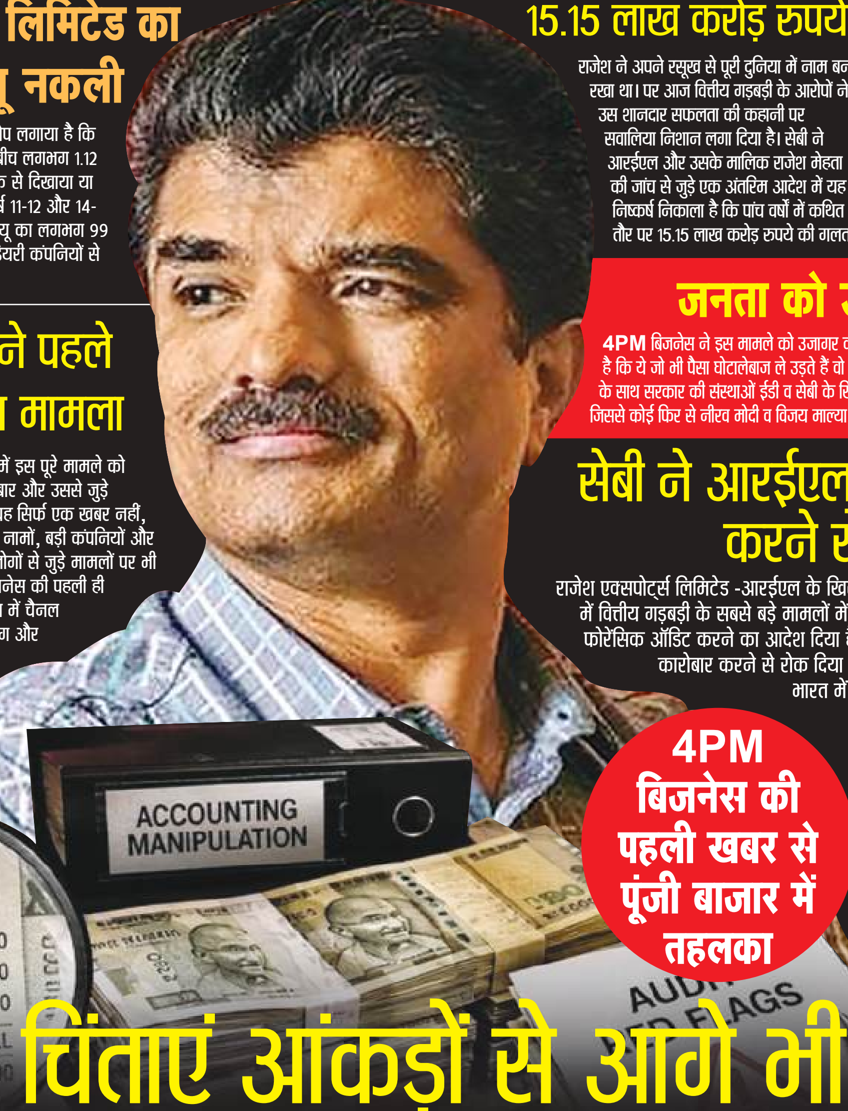

4PM बिजनेस की पहली खबर से पूंजी बाजार में तहलका

सेबी की चिंताएं आंकड़ों से आगे भी

सेबी के आदेश में बार-बार एक बात सामने आई है कि जांच करने वालों और फोरेंसिक ऑडिटर्स को जरूरी सहयोग नहीं मिला। सेबी ने कहा कि आरईएल ग्राहकों, सप्लायर्स, देनदारों, लेनदारों और इन्वेंट्री रिकॉर्ड से जुड़ी अहम जानकारी देने में बार-बार नाकाम रही। जांच करने वालों ने यह भी शिकायत की कि उन्हें एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम और ट्रांजैक्शन की स्वतंत्र रूप से जांच करने के लिए जरूरी मुख्य अकाउंटिंग रिकॉर्ड तक ठीक से पहुंच नहीं दी गई। आदेश के मुताबिक, कंपनी ने विदेशी सब्सिडियरी से जुड़ी जानकारी न देने के लिए स्विस डेटा सुरक्षा कानूनों और गोपनीयता की शर्तों का हवाला दिया। सेबी ने इन तर्कों को खारिज कर दिया और कहा कि विदेशी गोपनीयता के नियम भारतीय सिक्योरिटी कानूनों के तहत जानकारी देने की बाध्यता से ऊपर नहीं हो सकते। आदेश में सबसे कड़े बयानों में से एक में, रेगुलेटर ने कहा कि भारतीय कैपिटल मार्केट में काम करने वाली कोई लिस्टेड कंपनी कानूनी तौर पर जरूरी जानकारी देने की शर्तों को कमजोर करने या उनसे बचने के लिए निजी गोपनीयता समझौतों या विदेशी डेटा सुरक्षा नियमों का सहारा नहीं ले सकती - और वो भी ऐसे सुरक्षा नियम जो व्यक्तियों के लिए बने हैं, कंपनियों के लिए नहीं।

मार्च 24 में, सेबी को मिली थी शिकायत

मार्च 24 में, सेबी को असामान्य रूप से बड़ी व्यापार प्राप्तियों के बारे में शिकायतें मिलीं, जो दो साल से अधिक समय से बकाया थीं। (प्राप्तियां वे राशियां हैं जो कंपनी को अभी भी ग्राहकों से प्राप्त करनी हैं, जो कुछ हफ्तों या महीनों की सामान्य प्रतीक्षा अवधि है - वर्षों की नहीं।) अत्यधिक विलंबित प्राप्तियां नियामक का ध्यान आकर्षित करती हैं क्योंकि वे वसूली संबंधी समस्याओं, संदिग्ध लेनदेन या लेखांकन अनियमितताओं का संकेत दे सकती हैं। सेबी ने अक्टूबर 24 में एक जांच प्राधिकरण नियुक्त किया और बाद में एक फोरेंसिक ऑडिट शुरू किया। जांचकर्ताओं ने उन विदेशी सहायक कंपनियों की जांच शुरू की जिनके माध्यम से राजेश एक्सपोर्ट्स ने दावा किया था कि उसका अधिकांश व्यवसाय संचालित होता है। नियामक ने अंतरिम आदेश में निष्कर्ष निकाला कि राजेश एक्सपोर्ट्स के समेकित राजस्व का 97-99 प्रतिश हिस्सा विदेशी सहायक कंपनियों और स्टेप-डाउन सहायक कंपनियों से प्राप्त हुआ था, जिनमें से वैलकैम्बी एसए राजस्व का मुख्य स्रोत थी।

सालों से किया जाता रहा महिमामंडन

सालों से यह कहा जाता रहा है कि राजेश एक्सपोर्ट्स दुनिया की एकमात्र ऐसी कंपनी है जिसकी उपस्थिति पूरी गोल्ड वैल्यू चेन में है, रिफाइनिंग से लेकर रिटेलिंग तक और यह दुनिया में सोने की सबसे बड़ी प्रोसेसर है। आरईएल, जैसा कि राजेश एक्सपोर्ट्स को जाना जाता है, के बारे में कहा जाता था कि वह दुनिया में उत्पादित सोने का 35 प्रतिशत प्रोसेस करती है। सूत्रों ने कहा कि इसकी बिक्री अब तक आसानी से 45 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई होगी। कंपनी वैलकैम्बी की भी मालिक है, जिसे स्विट्जरलैंड के बालेर्ना में दुनिया की सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनरी कहा जाता है। वाल्कैम्बी की मालिक यूरोपियन गोल्ड रिफाइनरीज है, जिसकी मालिक ग्लोबल गोल्ड रिफाइनरीज एजी है। ग्लोबल गोल्ड रिफाइनरीज एजी में 95 प्रतिशत हिस्सेदारी आरईएल सिंगापुर पीटीई लिमिटेड की और 5 प्रतिशत हिस्सेदारी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड इंडिया की है। इस तरह, वाल्कैम्बी पर पूरी तरह से (100 प्रतिशत) राजेश एक्सपोर्ट्स का कंट्रोल है, जो आरईएल सिंगापुर की पैरेंट कंपनी है। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) का यह भी कहना है कि कंपनी में कथित गड़बड़ी के कारण शेयरहोल्डर्स की संपत्ति को जो नुकसान हुआ है, वह 12,726 करोड़ रुपये तक हो सकता है।

भाजपा सरकार के लिए धर्म का मतलब धनः अखिलेश यादव

» बोले- हम गोरखपुर में भाजपा को जीरो पर लाने के लिए काम करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी प्राथमिकता धर्म नहीं बल्कि धन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से अमीर और अधिक अमीर तथा गरीब और अधिक गरीब हो रहा है। साथ ही गोरखपुर में राजनीतिक समीकरण बदलने का संकल्प भी दोहराया। इस बार हम गोरखपुर में बीजेपी को जीरो पर लाने के लिए काम करेंगे। हमने गोरखपुर में नतीजे बदलने का संकल्प लिया है। बहुत जल्द पार्टी संगठन यह तय करेगा कि गोरखपुर में पार्टी की बैठक कब की जाए।

अखिलेश ने कहा कि गोरखपुर में ५०० प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए गए, जिससे सीधे-सीधे 1500 लोगों की सरकारी नौकरी छीन ली गई। गोरखपुर में दलितों के खिलाफ अपराध और पब्लिक हेल्थ को लेकर भी डेटा दिखाया।

राजभर को अखिलेश का जवाब- जो बहादुर होगा वही टिकेगा

अखिलेश यादव ने कहा, समाजवादी लोग बहुत मजबूती से भाजपा से लड़ाई लड़ रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि समाजवादी पार्टी के सांसदों में टूट-फूट की चर्चाएं भी विरोधी कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि इससे पहले भी भाजपा ने हमारे विधायक और सांसद तोड़े हैं, जो मजबूत होगा, बहादुर होगा, वही भाजपा से हमारी इस लड़ाई में शामिल होगा। रही बात सपा सांसदों के टूटने की तो भाजपा के कई विधायक हमारे संपर्क में हैं। समय आने पर इसका पता भी चल जाएगा।

दावा किया कि गोरखपुर के नेताओं ने इस बार परिणाम बदलने का संकल्प लिया है। वहां घेरकर भाजपा को जीरो करने का काम किया जाएगा। मथुरा को लेकर लिखी चिट्ठी और केयर फंड व गुरु दक्षिणा के हिसाब न मिलने पर भी सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा ने जहां अन्य चुनाव में बेईमानी की थी, वहां से सीसीटीवी गायब हो गए। क्योंकि सीसीटीवी से चढ़ावा चोरी का राज खुल जाएगा। हम लोगों ने समय-समय बताया कि कैसे अयोध्या में जमीन घोटाला हुआ। किस तरह उनकी दुकानें तोड़ी गईं, तो व्यापारी हमसे मिलने आए थे।

वोटर लिस्ट और बूथ पर ध्यान लगाएं कार्यकर्ता

इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा को लोकतंत्र के लिए खतरा है। भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट करने पर उतारू है। समाजवादी पार्टी की जिम्मेदारी लोकतंत्र बचाने की है, अन्यथा 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अंतिम चुनाव होगा। यूपी का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एकजुट होकर लोकतंत्र बचाने में जुटें। वोटर लिस्ट और बूथ पर ध्यान लगाएं। सभी कार्यकर्ताओं का व्यवहार शिष्ट होना चाहिए। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर

भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा हर स्तर पर घोटाला कर रही है। भ्रष्टाचार से प्रदेश की जनता त्रस्त है। जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। पीडीए समाजवादी पार्टी के साथ है, इसलिए भाजपा घबराई हुई है। भाजपा पीडीए के खिलाफ साजिश कर रही है। सरकार जानबूझकर भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करा देती है।

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की हुई उपेक्षाः बृजभूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की उपेक्षा और अयोध्या में लागू बैरियर व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता विनय कटियार के उस वक्तव्य का समर्थन किया, जिसमें आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं की अनदेखी की बात कही गई थी। बृजभूषण ने कहा कि मंदिर निर्माण के बाद सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना उन्हीं लोगों को करना पड़ रहा है, जिन्होंने आंदोलन को खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान गांव-गांव से लोग अयोध्या पहुंचते थे और धार्मिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। पूर्व सांसद ने कहा कि पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालु नियमित रूप से अयोध्या पहुंचकर नागेश्वरनाथ मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करते थे। अनेक श्रद्धालुओं की ऐसी आस्था थी कि दर्शन किए बिना वे जल तक ग्रहण नहीं करते थे। लेकिन मंदिर निर्माण के बाद सुरक्षा कारणों से बनाई गई व्यवस्थाओं और बैरियरों के चलते आम लोगों की आवाजाही कठिन हो गई है। इससे आंदोलन से जुड़े लोगों और स्थानीय श्रद्धालुओं में उपेक्षा की भावना पैदा हुई है।

बागी बलिया का लाल करेगा अगुवाईः राजभर

» सुभासपा अध्यक्ष ने फिर सपा की टूट का दावा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी सपा के भीतर बड़ी टूट की भविष्यवाणी करने के ठीक एक दिन बाद, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने गुरुवार को एक और बड़ा बयान देकर राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। महाराष्ट्र की शिवसेना (यूबीटी) और पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस में मचे घमासान के बाद अब उत्तर प्रदेश की सियासत में भी बड़े तख्तापलट की आहट सुनाई दे रही है।

समाजवादी पार्टी के भीतर बड़ी टूट की भविष्यवाणी करने के ठीक एक दिन बाद, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने गुरुवार को एक और बड़ा बयान देकर राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। राजभर ने न केवल पार्टी में जल्द फूट का दावा दोहराया, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि अखिलेश यादव के खिलाफ खड़े होने वाले बागी गुट की कमान किसके हाथ में होगी। काफी समय से

सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमलावर सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के सांसदों का एक मजबूत बागी गुट आकार ले रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए राजभर ने इसके नेतृत्व को लेकर बड़ा खुलासा किया और लिख कल से ही हर कोई पूछ रहा है कि स्क में क्या टूटने वाला है? तो सुनिए! स्क के बागी सांसदों के गुट की अगुवाई उत्तर प्रदेश की बागी धरती का एक लाल करेगा। और वह क्यों नहीं करेगा? जिस तरह से कल स्क कार्यालय में एक सम्मेलन की आड़ में ब्राह्मणों का अपमान किया गया, उसने बागी बलिया के लाल को बहुत आहत किया है। योजना तो पहले से ही थी, लेकिन कल की घटना ने आग में घी का काम किया है। फूट तो पक्का होगी।

डिप्टी सीएम मौर्य ने भी दी राजभर के दावे को और हवा

इस बीच, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई राजनीतिक हस्तियों ने भी समाजवादी पार्टी में असंतोष का दावा किया है। कानपुर में बोलते हुए मौर्य ने कहा कि एनडीए उत्तर प्रदेश में भारी बहुमत के साथ वापसी करने जा रहा है, जबकि सपा को एक और हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि स्क के कई नेता अखिलेश यादव से नाराज़ थे और पार्टी के लगभग 25-26 सांसद पार्टी से अलग होने की योजना बना रहे थे।

अपनी जवाबदेही से बच रहा है संघः दिग्विजय

कांग्रेस नेता ने फंडिंग और संचालन की जांच की मांग उठाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीहोर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने सीहोर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाया। दिग्विजय सिंह ने आरएसएस के रजिस्ट्रेशन, उसके फंड और कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग कर दी।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश में किसी भी समिति, संस्था या संगठन को विधिवत संचालन के लिए पंजीयन, सदस्यता और बैंक खाते की जरूरत होती है। यह सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा है। लेकिन आरएसएस को लेकर उन्होंने बड़ा सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि संघ का कोई स्पष्ट आधिकारिक रजिस्ट्रेशन नहीं है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि संगठन के पास आने वाला धन कहां से आता है, किसके नियंत्रण में रहता है और आखिर उसका उपयोग कहां किया जाता है? उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक और वित्तीय पारदर्शिता का भी गंभीर मामला है। संघ प्रमुख मोहन भागवत के पुराने बयानों का जिक्र करते हुए दिग्विजय सिंह ने तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि हिंदू धर्म का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं होता, इसलिए संघ का भी पंजीयन आवश्यक नहीं। दिग्विजय सिंह ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि हिंदू धर्म हजारों वर्षों पुराना है और उस दौर में रजिस्ट्रेशन जैसी व्यवस्था अस्तित्व में ही नहीं थी। लेकिन आज के समय में हर संस्था को कानून और नियमों के दायरे में काम करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ इस प्रकार के तर्कों के सहारे जवाबदेही से बचना चाहता है।

अयोध्या भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर हमला बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने बेहद कड़े आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अयोध्या भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है और वहां व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने चंपत राय को पूरे सिस्टम का सबसे विवादित चेहरा बताते हुए कहा कि ट्रस्ट के संचालन में पारदर्शिता दिखाई नहीं दे रही।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

पाठ्यक्रम तय करने का अधिकार सिर्फ राज्य काः सतीसन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पीएम श्री योजना पर विवाद गहराया

तिरुवंतपुरम्। केरल के सीएम सतीशन ने पीएम श्री विवाद पर केंद्र को राज्य के स्कूल पाठ्यक्रम में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी है, हालांकि समग्र शिक्षा के रुके हुए फंड के लिए राज्य ने इस योजना में शामिल होने हेतु समझौता किया था। राज्य सरकार ने पीएम श्री पर विचार करने और अपनी स्वायत्तता का पक्ष रखने के लिए एक मंत्री उप-समिति बनाई है, क्योंकि पूर्व में योजना को वामपंथी गठबंधन के भीतर ही विरोध का सामना करना पड़ा था।

केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने हा कि राज्य सरकार का मानना है कि केंद्र को राज्य के स्कूल पाठ्यक्रम तय करने की स्वायत्तता में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम श्री योजना पर विचार करने और

इस पहल के बारे में राज्य सरकार का रुख केंद्र तक पहुँचाने के लिए चार मंत्रियों की एक कैबिनेट उप-समिति बनाई गई है।

सतीशन ने यहाँ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को बताया कि यह फ़ैसला उनकी अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि इस सब-कमेटी में मंत्री एन. शमसुद्दीन, रोजी एम. जॉन, पीसी विष्णुनाथ और एम. लिजू शामिल होंगे। उनके अनुसार, राज्य को उन स्कूलों को चुनने की आज़ादी भी होनी चाहिए जहाँ यह योजना लागू की जाएगी। सतीशन ने यह भी कहा कि राज्य को प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया-पीएम श्री के तहत 99 करोड़ रुपये मिले हैं और केंद्र ने इस योजना के लिए 106 करोड़ रुपये मंज़ूर किए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने ही इस योजना को लागू करने के लिए केंद्र के साथ समझौता किया था और इसके लिए फंड भी लिया था। इसलिए, हमें इस योजना को आगे बढ़ाना पड़ रहा है। पीएम श्री स्कूल, भारत सरकार की एक योजना है जिसे देश भर के 14,500 से ज़्यादा मौजूदा स्कूलों को बेहतर बनाने और उन्हें आधुनिक रूप देने के लिए शुरू किया गया है। केरल ने समग्र शिक्षा के रुके हुए फंड को जारी करवाने के लिए पीएम श्री स्कीम में शामिल होने के मकसद से एक समझौता ज्ञापन पर साइन किया।

झारखंड व बिहार में सियासी रस्साकसी जोरों पर

बिहार में बेटों को लेकर सियासत

तेजस्वी की सुरक्षा, निशांत का बंगला व दीपक प्रकाश के मंत्री पद पर रार

» लालू, नीतीश व उपेन्द्र कुशवाहा के बेटों ने थामी सियासी लगाम

» महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर व वुल्फ पर वार-पलटवार

» रांची में राज्यसभा चुनाव पर भाजपा पर भारी झामुमो का दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो पूर्वी राज्य झारखंड व बिहार, महाराष्ट्र में सियासी रस्सा कसी जोरों पर है। बिहार में बेटों को लेकर सियासत अभी भी चल रही है। वहीं झारखंड में राज्य चुनाव को लेकर उठापटक जारी है। जहां नीतीश के पुत्र के आवास को लेकर सरगर्मी तेज है वहीं अपने माता-पिता के समर्थन में बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम व लालू के पुत्र तेजस्वी यादव ने अपनी सुरक्षा छोड़ दी है तो वहीं बिहार सरकार में मंत्री और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा (रालोमो) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश के मंत्री पद को लेकर असमंजस बना हुआ है।

दीपक प्रकाश विधायक बने बिना बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री हैं और नियमानुसार मंत्री बनने के छह महीने के अंदर एमएलए या एमएलसी बनना अनिवार्य होता है। लेकिन पिछले दिनों एमएलसी सीटों के नामांकन में दीपक प्रकाश का नाम नहीं आ सका जिसके बाद उनके मंत्री बने रहने पर प्रश्नचिह्न लगा हुआ है। दीपक प्रकाश पहली बार पिछले साल नवंबर में नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री बने थे लेकिन वह किसी भी सदन के सदस्य नहीं बने। इसके बाद सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने इस साल मई में दोबारा मंत्री पद की शपथ ली थी। लेकिन उनकी नियुक्ति को चुनौती दी जा रही है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है और मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने स्वयं इस बारे में दायर याचिका की सुनवाई की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें, बिहार सरकार, और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस पर अब दीपक प्रकाश की प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा जोरों पर है। अटकलें हैं कि शिव सेना यूबीटी के नौ में से सात सांसद एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के संपर्क में हैं और उसमें शामिल होना चाहते हैं। इस घटनाक्रम के बीच, उद्धव ठाकरे ने सेना के सांसदों की एक बैठक बुलाई। इसके बाद, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि उनकी पार्टी इसके जवाब में ऑपरेशन वुल्फ शुरू करेगी।

सुप्रीम कोर्ट की नोटिस पर दीपक प्रकाश का बयान

दीपक प्रकाश की पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उनसे सुप्रीम कोर्ट की नोटिस तथा बिना विधायक या विधान परिषद सदस्य बने दूसरी बार मंत्री बनाए जाने के मुद्दे पर सवाल पूछे गए। दीपक प्रकाश ने कहा कि अभी तक उन्हें आधिकारिक रूप से कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मुझे फिलहाल मीडिया के माध्यम से ही जानकारी मिली है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से नोटिस जारी किया गया है। जब तक आधिकारिक तौर पर नोटिस प्राप्त नहीं हो जाता तब तक इस विषय पर कोई विस्तृत टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। नोटिस मिलने के बाद कानूनी पहलुओं का अध्ययन किया जाएगा और उसके अनुसार जवाब दिया जाएगा।

झारखंड बीजेपी को विधायक के टूटने का डर

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए 18 जून को होने वाले मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अपने विधायकों को होटल में शिफ्ट करने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार एनडीए के सभी 24 विधायकों को रांची स्थित एक होटल में ठहराया गया। जहां से उन्हें मतदान के दिन बसों के जरिए सीधे विधानसभा ले जाया जाएगा। हालांकि बीजेपी नेताओं का कहना है कि उन्हें ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है। वहीं, निर्दलीय राज्यसभा उम्मीदवार परिमल नाथवानी के भी रेडिसन ब्लू होटल में ठहरने की खबर है। दूसरी ओर, इंडिया गठबंधन के सभी विधायकों की शाम मुख्यमंत्री आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में राज्यसभा चुनाव के दौरान मतदान की प्रक्रिया और रणनीति को लेकर विधायकों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। बता दें राज्य में दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवार खड़े हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक-एक प्रत्याशी हैं, वहीं बीजेपी नीत एनडीए ने निर्दल प्रत्याशी परिमल नाथवानी को समर्थन दिया है। कांग्रेस ने प्रणव झा, जेएमएम ने बैद्यनाथ राम को प्रत्याशी बनाया है। उधर नाथवानी के लिए राज्यसभा पहुंचना आसान नहीं माना जा रहा है। दरअसल, विधानसभा में संख्याबल के लिहाज से महागठबंधन के पास जीत के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद है, वहीं, एनडीए भी अपनी जीत का दावा कर रहा है। हालांकि नाथवानी के पक्ष में जीत के लिए अभी चार विधायकों के समर्थन की कमी का दावा किया जा रहा है।

रास चुनाव में क्या कहता है झारखंड विधानसभा का संख्या बल?

झारखंड विधानसभा में इंडिया गठबंधन की स्थिति मजबूत दिखाई देती है। 81 सदस्यीय विधानसभा में गठबंधन के 56 एमएलए हैं, जिनमें झारखंड मुक्ति मोर्चा के 34, कांग्रेस के 16, राष्ट्रीय जनता दल के 4 और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के 2 एमएलए शामिल हैं। दूसरी ओर, एनडीए के पास 24 एमएलए हैं, जिनमें बीजेपी के 21 तथा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन और जनता दल (यूनाइटेड) के एक-एक एमएलए शामिल हैं। इसके अलावा लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का भी एक एमएलए है। ऐसे में राज्यसभा चुनाव के गणित पर नजर डालें तो निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को जीत के लिए कम से कम 28 वोटों की जरूरत होगी।

जो भी निर्णय लिया जाना होगा, वह गठबंधन का नेतृत्व करेगा

पत्रकारों ने जब उनसे यह भी पूछा कि क्या इस मामले में वह मंत्री पद से इस्तीफा देंगे? उन्होंने इसके जवाब में कहा कि उन्होंने यह फैसला गठबंधन नेतृत्व पर छोड़ दिया है दीपक प्रकाश ने कहा, मैं पहले भी मंत्री था और वर्तमान में भी मंत्री हूं। इस विषय में जो भी निर्णय लिया जाना होगा, वह गठबंधन का नेतृत्व करेगा। हम गठबंधन और पार्टी के निर्णयों का सम्मान करते हैं। दीपक प्रकाश को बिना विधायक या विधान परिषद सदस्य बने मंत्री बनाए जाने को लेकर कानूनी सवाल उठाए गए हैं। इसी संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें, बिहार सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि, मंत्री ने फिलहाल किसी भी तरह की अटकलों पर प्रतिक्रिया देने से बचते हुए आधिकारिक नोटिस मिलने का इंतजार करने की बात कही।

महाराष्ट्र फिर एकबार शिवसेना यूबिटी में टूट

शिवसेना (शिंदे गुट) एमएलसी कृपाल तुमाने ने ऑपरेशन टाइगर के अंतिम चरण में होने का दावा किया था। अब वह सच हो गया। तहत मॉनसून सत्र से पहले शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए। आपको बताते तुमाने के अनुसार, बातचीत निर्णायक मोड़ पर थी, हालांकि संजय राउत ने इन अटकलों को कई बार खारिज किया था। शिवसेना एमएलसी कृपाल तुमाने ने दावा किया था कि ऑपरेशन टाइगर के तहत शिवसेना (यूबीटी) के सात सांसदों के साथ बातचीत अंतिम चरण में पहुँच गई थी और कहा कि संसद के आगामी मॉनसून सत्र से पहले उनके एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होने की संभावना

है। तुमाने ने कहा था कि ऑपरेशन टाइगर के तहत (शिवसेना यूबीटीके) सात सांसदों के साथ हमारी बातचीत आखिरी चरण में पहुँच गई थी। एक मेडिकल प्रक्रिया का उदाहरण देते हुए, शिवसेना नेता ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी होने वाली है। जैसे जब हम ऑपरेशन के लिए अस्पताल जाते हैं, तो पहले जांच होती है और रिपोर्ट आती है। अब बस डॉक्टर के साथ प्रक्रिया की आखिरी तारीख तय करनी है। ऑपरेशन उसी दिन होगा। तुमाने ने आगे संकेत दिया था कि मॉनसून सत्र से पहले यह घटनाक्रम होने की उम्मीद है। बिना ज्यादा जानकारी दिए, उन्होंने भरोसा जताया था कि सांसद पार्टी में शामिल होंगे। तुमाने ने कहा कि हमारे लिए सारी जानकारी बताना सही नहीं है। लेकिन यह लगभग तय है कि वे हमारे साथ जुड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि बातचीत कई हफ्तों से चल रही है और अब यह एक अहम चरण में पहुँच गई है। उन्होंने आगे कहा था कि ये बातचीत एक महीने से चल रही है, लेकिन यह अंतिम चरण में है। यह बात तब सामने आई है जब रविवार को शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने ऑपरेशन टाइगर से जुड़ी अटकलों को सख्ती से खारिज किया था और कहा कि पार्टी अखंड, एकजुट और मजबूत है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सोशल नेटवर्किंग से ज्यादा लाभदायक है गुरू की सीख

> सोशल नेटवर्किंग के इस दौर में शिक्षण संस्थानों का बाजारीकरण हो गया है और शिक्षक को प्रोफेशनल के तौर पर देखे जाने की वजह से मौजूदा दौर को नैतिक मूल्यों व इनोवेटिव आइडियाज के बिखराव का संक्रमण-काल माना जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देश की समृद्धि का आधार है। इसके तीन प्रमुख पहलू हैं- इनपुट, प्रोसेसिंग और आउटकम।

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफार्म अर्थात यूट्यूब के जरिये पढ़ाई को लेकर बवाल मचा हुआ है। खास तौर से प्रतियोगी परीक्षाओं में इसका गलत प्रयोग को लेकर चर्चा ज्यादा है। अभी हाल में नीट-यूजी, सीबीएसई अन्य परीक्षाओं में ओएसएम अर्थात ऑन स्क्रीन मार्किंग को लेकर काफी हो हल्ला भी मचा। उधर विवादों को देखते हुए सरकार सोशल मीडिया एप टेलीग्राम पर री-एक्जाम तक उसके प्रयोग पर रोक लाग दी है। कुल मिला सोशल मीडिया प्लेटफार्म की अपेक्षा शिक्षक द्वारा अध्ययन करवाना विद्यार्थी के लिए सबसे उपयोगी माध्यम है। सोशल नेटवर्किंग के इस दौर में शिक्षण संस्थानों का बाजारीकरण हो गया है और शिक्षक को प्रोफेशनल के तौर पर देखे जाने की वजह से मौजूदा दौर को नैतिक मूल्यों व इनोवेटिव आइडियाज के बिखराव का संक्रमण-काल माना जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देश की समृद्धि का आधार है। इसके तीन प्रमुख पहलू हैं- इनपुट, प्रोसेसिंग और आउटकम।

इनपुट में कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक, अनुशासित विद्यार्थी, समृद्ध लाइब्रेरी और बेहतर शैक्षणिक माहौल शामिल हैं। प्रोसेसिंग में इनोवेटिव टीचिंग मैथड, छात्रों की रचनात्मक सोच तथा विद्यालयों का प्रभावी संचालन आता है। वहीं आउटकम का लक्ष्य आदर्श विद्यार्थी तैयार करना और उनमें संस्कारों का विकास करना है। भारत युवाओं का देश है। मान्यता है कि नवयुवक देश के कर्णधार होते हैं। युवाओं के व्यक्तित्व एवं समग्र विकास के लिए बौद्धिक प्रखरता के साथ नैतिक चेतना भी जरूरी है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने लिखा है, 'नैतिकता के अभाव में बुद्धि से श्रेष्ठ व्यक्ति सबसे खतरनाक अपराधी बन सकता है।' सच्ची शिक्षा का उद्देश्य बुद्धि और चरित्र, दोनों का विकास करना है। डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार शिक्षक ऐसा रचनात्मक और ईमानदार व्यक्ति होना चाहिए, जो विद्यार्थियों की आंतरिक क्षमताओं को निखारकर उनकी मानसिक योग्यता को नया आयाम दे सके। आज के दौर में परंपरागत नोट्स रटवाकर विद्यार्थियों को अंकों के पीछे दौड़ने का धावक तो बनाया जा सकता है, किंतु आत्मविश्वास को नहीं जगाया जा सकता। यह तभी संभव है, जब शिक्षक आत्मानुशासन व नैतिकता का रोलमॉडल बनकर कक्षा में प्रवेश करे। आमतौर पर कोई भी समाज या देश तरक्की के रास्ते पर तभी आगे बढ़ता है, जब वहां की शिक्षा गुणवत्ता से परिपूर्ण हो। फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग अध्ययनों से पता चलता है कि डिजिटल गैजेट्स के अभ्यस्त छात्रों में मस्तिष्क के हिस्से पूरी तरीके से विकसित और सक्रिय नहीं हो पाते। जिसकी वजह से युवा पीढ़ी उपयोगी, प्रासंगिक व शोधपरक पाठ्य-सामग्री को पढ़ने और समझने की क्षमता खो रही है। व्यक्ति के सभ्य आचरण का स्तर उसकी बौद्धिक क्षमता से सदैव ऊंचा होता है। भारतीय समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि शिक्षक भावप्रवण हो, उचित प्रशिक्षण प्राप्त कर्मठ व्यक्ति हो जिसकी प्रतिबद्धता अपने व्यवसाय, बच्चों, समाज एवं देश के प्रति समर्पित हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भीतरी बगावत है पीओके से उठी आवाज

आनंद कुमार

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चल रहा आंदोलन 1947 के बाद से इस क्षेत्र में पाकिस्तान के सामने खड़ी सबसे गंभीर राजनीतिक चुनौतियों में से एक है। पहली नजर में यह विवाद विधानसभा की 45 में से 12 सीटों के आरक्षण का मुद्दा प्रतीत होता है, जो उन शरणार्थियों के लिए सुरक्षित हैं, जो विभाजन के बाद भारतीय जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान चले गये थे, किंतु यह पूरा सच नहीं है। दरअसल, पीओके में जो कुछ हो रहा है, वह राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक उपेक्षा, क्षेत्रीय पहचान और पाकिस्तान की सैन्य-राजनीतिक व्यवस्था के अत्यधिक हस्तक्षेप के विरुद्ध वर्षों से जमा होते आ रहे असंतोष का विस्फोट है। यह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि पाकिस्तान की उस व्यवस्था के विरुद्ध भीतर से उठी चुनौती है, जिसने लंबे समय से इस क्षेत्र को अपने सामरिक हितों के अनुरूप संचालित किया है।

वर्तमान आंदोलन की तात्कालिक वजह विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को खत्म करने की मांग है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो भारतीय जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में बस गये थे। पाकिस्तान का तर्क है कि यह व्यवस्था कश्मीर के पूरे भूभाग पर उसके दावे को मजबूत करती है और विस्थापित कश्मीरियों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करती है। पर पीओके के स्थानीय निवासियों की दृष्टि में यह व्यवस्था लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का प्रतीक बन चुकी है। उनका कहना है कि विधानसभा की लगभग एक-चौथाई सीटों पर ऐसे लोग क्यों चुने जायें, जो न इस क्षेत्र में रहते हैं, न ही यहां के लोगों की समस्याओं से उनका सीधा संबंध है। पीओके के सर्वोच्च न्यायालय ने इन सीटों को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त बताते हुए कहा है कि इन्हें समाप्त करने के लिए संवैधानिक संशोधन जरूरी होगा। पर स्पष्ट है कि यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि एक गहरा राजनीतिक संकट है। मुजफ्फराबाद और रावलाकोट में हजारों लोगों का सड़कों पर उतरना, प्रतिबंधों और गिरफ्तारियों के बावजूद आंदोलन का जारी रहना इसका प्रमाण है कि यह मुद्दा आम जनता के मन में गहरी जगह बना चुका है।

इस आंदोलन के केंद्र में जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) है, जिसका गठन 2023 में हुआ था। आरंभ में यह संगठन बढ़ती बिजली दरों, गेहूं पर सब्सिडी और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनांदोलन के रूप में उभरा था। पर धीरे-धीरे इस आंदोलन में राजनीतिक प्रश्न उठाये जाने लगे। अब यह संगठन राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संस्थागत सुधार और क्षेत्रीय स्वायत्तता की मांग कर रहा है। यह परिवर्तन दर्शाता है कि आर्थिक संकट ने लोगों को व्यवस्था की मूल संरचना पर प्रश्न उठाने के लिए प्रेरित किया है। विडंबना यह है कि पाकिस्तान लंबे समय से स्वयं को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीरियों के अधिकारों का सबसे बड़ा समर्थक बताता रहा है। आत्मनिर्णय और लोकतांत्रिक अधिकारों की भाषा उसकी कश्मीर नीति का केंद्रीय तत्व रही है। किंतु आज पीओके से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वे बिल्कुल अलग कहानी कहती हैं। हजारों लोग सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे हैं, सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गयी है, इंटरनेट सेवाएं बंद की जा रही हैं, गिरफ्तारियां हो रही हैं और मानवाधिकार संगठनों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग के आरोप लगाये जा रहे हैं।

यह विरोधाभास नया नहीं है। पीओके की संवैधानिक स्थिति शुरू से ही अस्पष्ट रही है। औपचारिक रूप से वहां अपना राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विधानसभा है, लेकिन रक्षा, विदेश नीति और अनेक महत्वपूर्ण मामलों पर नियंत्रण इस्लामाबाद का ही रहा है। समय के साथ लोगों में यह धारणा मजबूत हुई है कि उनकी संस्थाओं के पास वास्तविक अधिकार नहीं हैं और उनके भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय कहीं और लिये जाते हैं। यही असंतोष समय-समय पर आंदोलनों के रूप में सामने आता रहा है, पर इस बार उसका स्वरूप कहीं अधिक व्यापक है। इस आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय पहचान का प्रश्न भी है। लंबे समय से यह देखा गया है कि पीओके के एक वर्ग में पाकिस्तान की राजनीतिक और सैन्य अभिजात्य व्यवस्था के प्रति असंतोष रहा है। सांस्कृतिक व भाषायी निकटता के बावजूद लोग खुद को अलग राजनीतिक पहचान के रूप में देखते हैं।

मौजूदा आंदोलन इसका संकेत है कि बड़ी संख्या में लोग अपने राजनीतिक भविष्य के स्वतंत्र निर्धारक बनना चाहते हैं। आर्थिक मुद्दों ने इस चेतना को और मजबूत किया है। वर्ष 2023 और 2024 के आंदोलनों में बिजली की ऊंची दरें और सब्सिडी वाले गेहूं की कमी प्रमुख मुद्दे थे। तब लोगों ने सवाल उठाया था कि जिन क्षेत्रों में विशाल जलविद्युत परियोजनाएं हैं, जहां से पाकिस्तान को बिजली मिलती है, वहां के लोगों को ही महंगी बिजली क्यों खरीदनी पड़ती है?

डॉ. जगमती सांगवान

महिला सुरक्षा जवाबदेही और न्याय के सवाल

> ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। सरकार से अपेक्षा है कि दागी डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति की उच्चस्तरीय-निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल में नाबालिग दलित लड़की के साथ डॉक्टर द्वारा किए गए कथित दुराचार की घटना ने प्रदेश को झकझोर दिया। घटना के तुरंत बाद जनवादी महिला समिति और अन्य सामाजिक संगठनों ने कुरुक्षेत्र समेत विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पीड़िता के पुनर्वास तथा राज्य महिला आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि आरोपी चिकित्सक पर विगत में भी यौन शोषण से जुड़े कई आरोप लगाए जाने की बात कही जाती है। वर्ष 2008 में कुरुक्षेत्र के सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आई एक कंप्यूटर साइंस छात्रा के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे थे। अस्पताल प्रशासन द्वारा जांच के लिए एक समिति गठित किए जाने की जानकारी सामने आई थी।

हालांकि उस समय उन्हें न तो पद से हटाया गया और न ही स्थानांतरित किया गया। बाद में मामले में कथित रूप से जांच प्रक्रिया और बयान दर्ज होने के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट तैयार होने की बात कही गई। इसके अलावा वर्ष 17 में भी एक दलित महिला द्वारा अस्पताल परिसर में दुराचार का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने और मामला अदालत तक पहुंचने की बात सामने आई। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौते की स्थिति बनने की बात सामने आई। वर्तमान घटनाक्रम में राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन 6 जून को कुरुक्षेत्र पहुंचीं और पूरे मामले की समीक्षा की। सभी जानते हैं कि नर्सों का कार्य डॉक्टरों की निगरानी करना नहीं, बल्कि मरीजों की सेवा करना है। अस्पताल के भीतर नर्सों को लाइन में खड़ा कर वीडियो रिकॉर्डिंग कराने और कथित रूप से विवादस्पद टिप्पणियां करने को लेकर असंतोष उभरा। नर्सों ने अपने सम्मान और गरिमा से जुड़ी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए चेयरपर्सन से इस्तीफे और सार्वजनिक माफी की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया।

नर्सों के आंदोलन के बाद जब उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, तब कथित रूप से आरोपी डॉक्टर और उन्हें संरक्षण देने वाली लॉबी द्वारा सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से नर्सों के खिलाफ अभियान चलाया जाने लगा। ऐसे में यह अभियान यौन हिंसा के आरोपी और उनके समर्थकों को बचाने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनवादी महिला समिति के नेतृत्व में 5 जून को कुरुक्षेत्र में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। महिला नेतृत्व अस्पताल में पीड़ित बच्ची से भी मिला। उसके बाद ही राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा अगले दिन कुरुक्षेत्र पहुंचीं।

वहां उनके व्यवहार को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिन्हें आयोग की गरिमा के अनुरूप नहीं माना गया। आरोप है कि उन्होंने आरोपी के बजाय नर्सिंग स्टाफ पर ही दोष मढ़ने की कोशिश की। सवाल यह है कि चिकित्सक के रूप में कार्यरत उस व्यक्ति पर पहले भी ऐसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं, फिर भी सेवानिवृत्ति के बाद उसे दोबारा नियुक्ति कैसे दी गई, इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है? यह प्रश्न प्रशासनिक और निर्णय प्रक्रिया की जवाबदेही की ओर संकेत करता है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि उच्च स्तर पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण से वह कानून की सख्ती से बचता रहा। ऐसे गंभीर आरोपों के बावजूद उसके खिलाफ प्रभावी दंडात्मक कदम नहीं उठाए गए। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए गठित संवैधानिक आयोग की अध्यक्ष होने के बावजूद, यदि सार्वजनिक रूप से नर्सिंग कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार और भाषा के प्रयोग के आरोप सामने आते हैं, तो इसे गंभीर आपत्ति के रूप में देखा जाता है।

ऐसे मामलों में अपेक्षा की जाती है कि वे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यालय में बैठकर औपचारिक तरीके से जानकारी प्राप्त करतीं। साथ ही सरकार से सवाल उठातीं कि संबंधित डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति कैसे हुई। पूरे प्रकरण को लेकर चर्चा होती रही है कि कहीं यह प्रभावशाली राजनीतिक संरचना से जुड़े दबावों का परिणाम तो नहीं है। सवाल यह भी है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए बनी संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका क्या हो? यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि उनके पदों पर बैठे व्यक्ति स्वयं असुरक्षा का कारण न बनें। विभिन्न मामलों से जुड़े प्रकरण या कुरुक्षेत्र अस्पताल में 15 वर्षीय दलित लड़की के कथित यौन शोषण ने यह सवाल और गंभीर कर दिया है कि क्या आरोपियों को कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता रहा है। ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। सरकार से अपेक्षा है कि दागी डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति की उच्चस्तरीय-निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

डेस्क जॉब सेहत के लिए एक बड़ा खतरा

दफ्तर में काम करने वाले न करें ये गलती

ऑफिस में काम करने वाले अधिकतर लोग एक ही जगह देर तक बैठकर काम करते हैं। देखा जाए तो ऐसा करना आपके शरीर में मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है और ये संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। पहले के समय के लोगों का सपना हुआ करता था कि कोई ऐसी नौकरी मिल जाए जहां सिर्फ बैठकर आराम से काम करना हो, मगर आज वही बैठकर लंबे समय तक काम करना सेहत के लिए जोखिम भरा हो चुका है। आजकल की कॉर्पोरेट कल्चर में डेस्क जॉब बहुत कॉमन है, और ये सेहत के लिए एक बड़ा खतरा बनती जा रही है। क्योंकि अगर आप लगातार एक घंटे से ज्यादा एक जगह बैठे रहते हैं, तो आपका मेटाबॉलिज्म 50-70 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यही वह मेन कारण है जिससे कोलेस्ट्रॉल, शुगर, पेट की चर्बी और वजन तेजी से बढ़ने लगता है। अक्सर सबसे मेहनती कर्मचारी ही जल्दी बीमार पड़ते हैं क्योंकि वे 7-8 घंटे बिना हिले-डुले काम में मग्न रहते हैं। चूंकि नौकरी छोड़ना समाधान नहीं है, इसलिए डॉक्टर ने कुछ ऐसी आसान आदतों और 5 लाइफ-सेविंग टिप्स का सुझाव है, जिससे आप काम के साथ-साथ अपनी सेहत को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

हर घंटे में 5 मिनट का ब्रेक जरूरी

पहला सुझाव है कि हर एक घंटे के काम के बाद 5 मिनट का मूवमेंट बहुत जरूरी है। इसके लिए आप अपनी जगह पर खड़े हो सकते हैं, हल्की स्ट्रेचिंग कर सकते हैं या ऑफिस के गलियारे में स्लो वॉक कर सकते हैं। अगर किसी मीटिंग के कारण आप खड़े नहीं हो सकते, तो कुर्सी पर बैठे-बैठे ही अपने ऐंकल सर्किल करें ताकि पैरों में रक्त संचार बना रहे। आप इन छोटे-छोटे बदलाव करके खुद को स्वस्थ्य रख सकते हैं और गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं।

लंच के बाद वॉकिंग

पानी पीने के बहाने हर घंटे अपनी डेस्क से उठें, एक गिलास पानी पिएं और फिर वापस आएं, इससे आप टहल भी लेंगे और पानी भी पी लेंगे। दोपहर के भोजन के बाद तुरंत काम पर न लौटें, बल्कि अपने कलीग के साथ बात करते-करते 15-20 मिनट तक जरूर टहलें। यह छोटी सी आदत आपके पाचन को दुरुस्त रखती है और लंच के बाद आने वाली सुस्ती को भी दूर कर देगी। भोजन के बाद टहलने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है जिससे कैलोरी बर्न होती है। ऐसे में खाना खाने के बाद अगर आप रोजाना कुछ देर तक चलते हैं तो इससे आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

मीटिंग और कॉल्स को बनाएं एक्टिव

अगर संभव हो तो फोन कॉल्स या अनौपचारिक मीटिंग्स को टहलते हुए अटेंड करने की कोशिश करें। लगातार बैठे रहने से शरीर की बड़ी मांसपेशियां निष्क्रिय हो जाती हैं, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ने का खतरा रहता है। एक्टिव रहने से न सिर्फ आपका वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि मस्तिष्क में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ने से आपकी कार्यक्षमता भी बढ़ती है। और रोजमर्रा के विषयों पर खुलकर बातचीत होने से काम में सुगमता और वृद्धि देखने को मिलती है। ऐसे में कर्मचारी भविष्य की चिंताओं या नए विचारों को साझा करने में खुलकर भाग लेते हैं। इसके अलावा, यह धारणा कि नियमित बैठकें काम करने की दक्षता को कम करती हैं, सही नहीं है। वास्तव में, सार्थक और खुला संवाद मानसिक संसाधनों की पुनः पूर्ति करने में मदद करता है, जिससे कर्मचारी अधिक उत्पादक और दृढ़ बनते हैं।

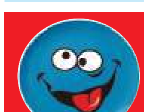

हंसना मना है

पचास वर्षीय-पति-'आज सवेरे शेव करने के पश्चात बोला- मैं महसूस कर रहा था कि मेरी उम्र के दस साल कम हो गए।' पत्नी-'क्या कहते हो! अगर इस स्पीड से प्रतिदिन आयु कम होती चली गई, तो एक हफ्ते में आप गायब ही हो जाओगे।'

लड़का लाइब्रेरी से 'बच्चों का पालन-पोषण की पुस्तक लेकर आया।' उसकी मां ने आश्चर्य से पूछा-'क्यों मुन्ने, इस पुस्तक का क्या करोगे? मुन्ने ने जबाब दिया-'मैं इसे पढ़कर ये जानना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण उचित ढंग से किया जा रहा है की नहीं।'

पत्नी-'मैं तुमसे जो भी कहती हूं आप एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो।' पति-'किन्तु मैं भी जो कहता हूं आप उसे दोनों कानों से सुनकर मुंह से निकाल देती हो।'

सुरेश-'अरे प्रकाश! हाथ में चोट कैसे लगी।' प्रकाश-'मैंने गाय के दांत गिनने के लिए उसके मुंह में हाथ डाला। उसने मेरी उंगली गिनने के लिए मुंह बन्द कर लिया।'

एक इंसान (दूसरे से)-'आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं।' पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं?' दूसरा व्यक्ति-'यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।'

कहानी | भेष बदलने से स्वभाव नहीं बदलता

बात द्वापरयुग की है, अज्ञातवास में पांडव रूप बदलकर ब्रह्मणों के वेश में रह रहे थे। एक दिन उन्हें कुछ ब्राह्मण मिले। वे राजा द्रुपद की पुत्री द्रौपदी के स्वयंवर में जा रहे थे। पांडव भी उनके साथ चल दिए। स्वयंवर में पानी में देखकर ऊपर घूम रही मछली पर निशाना लगाना था। वहां मौजूद सभी ने प्रयास किया। लेकिन निशाना सिर्फ अर्जुन ही लगा पाए। शर्त के अनुसार द्रौपदी का स्वयंवर और इसके बाद शादी अर्जुन के साथ हुई। इसके बाद पांडव द्रौपदी को लेकर अपनी कुटिया में ले आए। एक ब्राह्मण द्वारा स्वंयवर में विजयी होने पर राजा द्रुपद को बड़ी हैरानी हुई। वह अपनी पुत्री का विवाह अर्जुन जैसे वीर युवक के साथ करना चाहते थे। अतः राजा द्रुपद ब्रह्मणों की वास्तविकता का पता लगाने के लिए राजमहल में भोज का कार्यक्रम रखा और उन ब्रह्मणों को भी बुलाया। राजमहल को कई वस्तुओं से सजाया गया। एक कक्ष में फल फूल तो दूसरे कक्ष में अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित किया गया। भोजन करने के बाद सभी अपनी मनपसंद चीजें देखने लगे। लेकिन ब्राह्मण वेशधारी अस्त्र-शस्त्र वाले कमरे में पहुंचे। यह सब कुछ राजा द्रुपद देख रहे थे। वे समझ गए यह ब्राह्मण नहीं, बल्कि क्षत्रिए हैं। मौका मिलते ही उन्होंने ब्राह्मण वेशधारी युधिष्ठिर से पूछा, सच बताइए आप ब्रह्मण हैं या क्षत्रिए। युधिष्ठिर हमेशा सच बोलते थे। उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वे सचमुच क्षत्रिए हैं। और स्वयंवर जीतने वाले अर्जुन है। यह जानकर राजा द्रुपद बहुत प्रसन्न हुए, और सोचने लगे कि कोई अपना भेष भले ही बदल ले लेकिन विचार आसानी से नहीं बदल पाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा।

तुला – प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ – लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक – प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

मिथुन – कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

धनु – दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क – कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मकर – कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह – आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। परिवार की चिंता बनी रहेगी। देनदारी कम होगी।

कुम्भ – दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या – किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

मीन – व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म लगान ने मुझे बर्बाद कर दिया : बाघा

आमिर खान अभिनीत फिल्म लगान की रिलीज को इस साल 25 साल पूरे हो गए हैं। इस फिल्म में हर किरदार अनूठा था। लगान में बाघा का यादगार किरदार अभिनेता अमीन हाजी ने निभाया। हाल ही में उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इस फिल्म ने उन्हें बर्बाद कर दिया। अमीन हाजी ने हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में बाघा के किरदार ने उनके अभिनय का स्तर इतना ऊंचा कर दिया कि इसके बाद मिलने वाले रोल उन्हें पसंद ही नहीं आए। अमीन हाजी ने बताया कि इस ऑस्कर नामांकित फिल्म में बाघा के किरदार ने उन्हें पेशेवर तरीके से बर्बाद कर दिया। उन्होंने बताया कि फिल्म के बाद आए ज्यादातर किरदारों के ऑफर उन्होंने ठुकरा दिए। बाद में उन्होंने राइटिंग की तरफ रुख करने का फैसला लिया। अमीन हाजी ने कहा, मैं दरअसल, बाघा के जरिए मुझे जो सम्मान मिला, मैं कोई दूसरा किरदार करके उसकी धज्जियां नहीं उड़ाना चाहता था। साथ ही, मैं कोई बहुत अच्छा एक्टर नहीं हूं। लगान की स्क्रिप्ट, डायरेक्टर और टीम की वजह से ही मैं अच्छा काम कर पाया। उन सभी ने मेरी मदद की। अमीन हाजी को इस बात का डर था कि दूसरे सेट पर उनकी असलियत सामने आ जाएगी और लोगों को यह पता चल जाएगा कि वे कोई बहुत अच्छे एक्टर नहीं हैं। अभिनेता ने अपनी स्थिति बताने के लिए जगजीत सिंह के गाने हजारों ख्वाहिशें ऐसी के शेर कोट किए। उन्होंने कहा, हजारों ख्वाहिशें ऐसी के हर ख्वाहिश पे दम निकले...बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले। एक्टर ने कहा, इस फिल्म में मेरे सब अरमान पूरे हो गए। मेरे लिए एक बार लगान हो गई ना, अब मैं एक्टिंग नहीं करना चाहता था। मुझे ऑफर मिल रहे थे। मगर, कोई किरदार बाघा के बराबर नहीं था।

पेद्दी ने कर डाली 450 करोड़ का आंकड़ा पार

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण मौजूदा समय में अपनी लेटेस्ट फिल्म पेड्डी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। स्पोर्ट्स ड्रामा पेड्डी ने अपनी शानदार कहानी से हर किसी की दिल जीत लिया है। जिसकी वजह से ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई करती हुई नजर आ रही है। जल्द ही पेड्डी की रिलीज को दो सप्ताह का समय पूरा हो जाएगा और ये मूवी कलेक्शन के मामले में अपनी छाप छोड़ने में पीछे नहीं हट रही है। जिसका अंदाजा आप पेड्डी की रिलीज के 13वें दिन की कमाई के जरिए आसानी से लगा सकते हैं।

4 जून को पेड्डी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। निर्देशक बुची बाबू सना के डायरेक्शन में बनने वाली इस मूवी से फैंस को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं और अपनी दमदार कहानी से ये मूवी सिनेप्रेमियों की उम्मीदों पर खरी भी उतरी है। क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से राम चरण की पेड्डी को पॉजिटिव रिस्पॉन्स भी मिला है, जो इसकी कमाई का बड़ा कारण बना है।

गौर किया जाए पेड्डी के 13वें दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तरफ तो वह करीब 4.50 करोड़ रहा है। दूसरे मंगलवार की कमाई को मिला दिया जाए तो अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म का टोटल कलेक्शन 225 करोड़ के पार हो गया है। इस तरह से राम चरण की इस मूवी ने कमर्शियल तौर पर बंपर सक्सेस हासिल कर ली है। पेड्डी ने बॉक्स ऑफिस पर अपने धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर बॉलीवुड की दो बड़ी फिल्मों को भी मात दी, जिनमें वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है और बॉबी देओल की बंदर का नाम शामिल है। बॉक्स ऑफिस क्लैश में पेड्डी इन दोनों हिंदी मूवीज से आगे अव्वल निकली है।

फिल्म पेड्डी ने सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल मार्केट में अपनी हुकूमत जमाई है। आपको बता दें कि अब तक दुनियाभर में ये स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 412 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है और जल्द ही राम चरण की ये फिल्म 450 करोड़ का आंकड़ा भी पार करती हुई नजर आएगी।

मलयालम सिनेमा में अपनी नई पारी का आगाज करेगा धर्मा प्रोडक्शंस

बॉलीवुड | गपशप

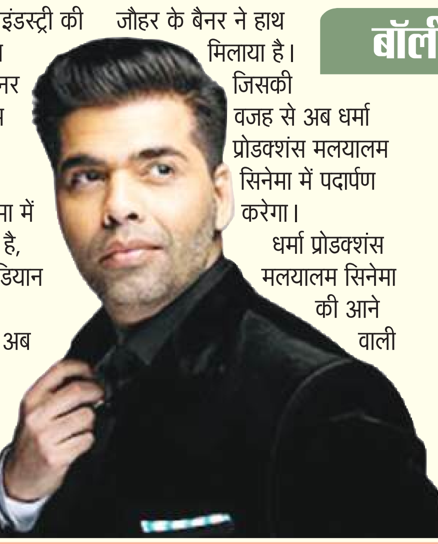

हिंदी सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर करण जौहर को कुछ-कुछ होता है और कभी खुशी कभी गम जैसी शानदार फिल्में के लिए जाने जाते हैं। लेकिन बीते समय से करण का धर्मा प्रोडक्शंस अच्छी और सफल फिल्में देने में नाकाम रहा है।

इस बीच अब धर्मा प्रोडक्शंस ने एक बड़ा कदम उठाते हुए मलयालम सिनेमा में अपनी नई पारी का आगाज करने का एलान किया है। जिसके लिए इस बैनर ने एक अपकमिंग फिल्म के लिए कई दिग्गज फिल्ममेकर संग हाथ मिलाया है।

पिछले कई सालों से मलयालम सिनेमा दक्षिण भारती फिल्म इंडस्ट्री की बैकबॉन बना हुआ है। सस्पेंस और या फिर कॉमेडी हर जॉनर की मलयालम फिल्मों ने फैंस का दिल जीता है। इसी को मद्देनजर रखते हुए अब धर्मा प्रोडक्शंस ने मलयालम सिनेमा में फिल्में बनाने में रुचि दिखाई है, जिसकी शुरुआत फिल्म ओडियान के साथ होने वाली है।

एक अहम सूचना है कि अब धर्मा प्रोडक्शंस ने मलयालम सिनेमा में कदम रख रहा है। साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन के पृथ्वीराज प्रोडक्शंस के साथ करण जौहर के बैनर ने हाथ मिलाया है। जिसकी वजह से अब धर्मा प्रोडक्शंस मलयालम सिनेमा में पदार्पण करेगा।

धर्मा प्रोडक्शंस मलयालम सिनेमा की आने वाली फिल्म ओडियान: द एज ऑफ इल्यूजन के लिए पृथ्वीराज प्रोडक्शंस और निर्देशक राहुल सदाशिवन के साथ करार किया है।

तरण आदर्श ने अपने इस ट्वीट में ओडियान की कहानी को लेकर भी राज खोला है और बताया है- यह फिल्म 19वीं सदी के केरल की लोककथाओं और सांस्कृतिक पौराणिक कथाओं पर आधारित है। कुछ समय बाद ही धर्मा प्रोडक्शंस की पहली मलयालम फिल्म ओडियान को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

अजब-गजब | ये है भारत का एक अनोखा किला

इस किले की दीवारों से टपकता रहता है खून, रात को आती है चीखने की आवाजें

भारत अपने रहस्यमयी किलों, प्राचीन मंदिरों और अनसुनी कहानियों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां कई ऐसी ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं, जिनसे जुड़े किस्से आज भी लोगों को हैरान कर देते हैं। इन्हीं में से एक है बिहार के रोहतास जिले में स्थित रोहतासगढ़ किला, जिसे भारत के सबसे प्राचीन और रहस्यमयी किलों में गिना जाता है। यह किला जितना अपनी भव्यता और इतिहास के लिए जाना जाता है, उतना ही यहां से जुड़ी डरावनी कहानियों के कारण भी हमेशा से चर्चे में रहता है। कहा जाता है कि इस किले की दीवारों से कभी खून टपकता था और रात के समय यहां से चीखने-रोने की आवाजें सुनाई देती थीं।

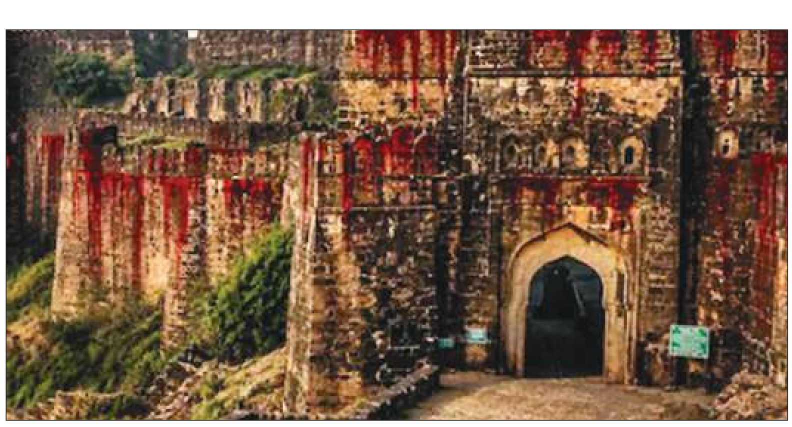

रोहतासगढ़ किले का इतिहास बेहद पुराना और दिलचस्प माना जाता है। मान्यता है कि इसका निर्माण त्रेता युग में अयोध्या के सूर्यवंशी राजा त्रिशंकु के पौत्र और राजा हरिश्चंद्र के पुत्र रोहिताश्व ने करवाया था। इसी वजह से इस किले का नाम रोहतासगढ़ पड़ा। पहाड़ों की ऊंचाई पर बना यह विशाल किला आज भी अपनी मजबूती और शानदार आर्किटेक्चर के लिए प्रसिद्ध है।

रोहतासगढ़ किला बिहार की सोन घाटी की खूबसूरती और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह किला लगभग 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और यहां से आसपास का नजारा बेहद अद्भुत दिखाई देता है। किले के भीतर कई प्राचीन द्वार, मंदिर, महल और ऐतिहासिक स्ट्रक्चर मौजूद हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इसके अलावा यहां के झरने भी काफी मशहूर हैं, जो कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर सोन नदी में जाकर मिलते हैं इतिहासकारों के अनुसार, रोहतासगढ़ किला लंबे समय तक हिंदू शासकों का कब्जा रहा। लेकिन 16वीं सदी में मुगलों ने इस पर कब्जा कर लिया और कई सालों तक यहां शासन किया। कहा जाता है कि स्वतंत्रता संग्राम 1857 के दौरान बाबू कुंवर सिंह के भाई अमर सिंह ने इसी किले से अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का संचालन किया था। इस कारण यह किला भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

जब पूरे भारत में होती है रात, तब इस गांव में उग जाता है सूरज, 3 बजे हो हो जाती है सुबह!

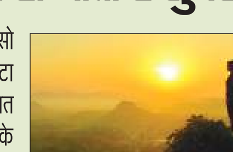

भारत के ज्यादातर हिस्सों में जब रात होती है और लोग सो रहे होते हैं, तब देश के सबसे पूर्वी कोने में स्थित एक छोटा सा गांव पहले सूरज की किरणों से जग जाता है। हम बात कर रहे हैं अरुणाचल प्रदेश के अनजाव जिले में वालोंग के पास डोंग गांव और आसपास की पहाड़ियां की। इन इलाकों में भारत का सबसे पहला सूर्योदय देखने के लिए मिलता है। यहां रात के तीन बजे ही सूरज निकलने की तैयारी शुरू हो जाती है और पर्यटक इस अनोखे अनुभव के लिए खास ट्रेक पर निकल पड़ते हैं। डोंग गांव को भारत का लैंड ऑफ राइजिंग सन भी कहा जाता है। इसी जगह देश में सबसे पहले सूर्योदय होता है। डोंग गांव वालोंग से महज 7-8 किलोमीटर दूर है। यह छोटा सा गांव भारत-चीन-म्यांमार त्रिकोण क्षेत्र के करीब स्थित है। यहां की ऊंची चोटियों पर चढ़कर लोग रात के अंधेरे में ट्रेक करते हैं। कई पर्यटक रात के 1:30 बजे ट्रेक शुरू कर देते हैं ताकि सुबह 3-4 बजे चोटी पर पहुंचकर सूरज की पहली किरणें देख सके। जहां देश के दूसरे हिस्सों में सूर्योदय सुबह 5:30 से 6:30 बजे के बीच होता है, वहां डोंग और वालोंग क्षेत्र में यह कई घंटे पहले हो जाता है। यह इलाका हिमालय की खूबसूरत घाटियों, लोहित नदी और बर्फीली चोटियों से घिरा हुआ है। सूर्योदय का नजारा यहां बेहद मनमोहक होता है। सुनहरी किरणें पहाड़ों पर पड़ती हैं और पूरा इलाका सुनहरे रंग में नहा जाता है। अरुणाचल प्रदेश को लैंड ऑफ राइजिंग सन इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि देश का सबसे पहला सूर्योदय यहीं होता है वालोंग सिर्फ सूर्योदय के लिए नहीं, बल्कि 1962 के भारत-चीन युद्ध की यादों के लिए भी जाना जाता है। यह जगह युद्ध के मैदान रही है और यहां कई भारतीय सैनिकों ने वीरतापूर्ण बलिदान दिया था। आज यह क्षेत्र शांत है लेकिन इतिहासकार और सैन्य प्रेमी यहां आकर भावुक हो जाते हैं। वालोंग में एयरस्ट्रिप भी है जो इस दुर्गम इलाके को देश से जोड़ता है। वालोंग पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा डिब्रूगढ़ (असम) है, वहां से सड़क मार्ग लगभग 300-350 किलोमीटर है। यात्रा खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण है। डोंग घाटी में ट्रेकिंग, नेचर वॉक, मेयोर जनजाति की संस्कृति और लोकल व्यंजनों का मजा लिया जा सकता है। हाल ही में यहां डोंग सनराइज फेस्टिवल भी शुरू किया गया है, जो दिसंबर-जनवरी में आयोजित होता है। अब बात करते हैं यहां सबसे पहले सूर्योदय होने की वजह की। भारत पूर्व से पश्चिम तक फैला हुआ है। अरुणाचल सबसे पूरब में है। समय क्षेत्रीय अंतर के कारण यहां सूरज पहले निकलता है। पृथ्वी की घुमाव और टाइम जोन के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में सूर्योदय का समय 1-2 घंटे का अंतर होता है। डोंग जैसी ऊंचाई वाली जगहों पर यह और भी पहले दिखाई देता है।

तमिलनाडु में ड्रग तस्करी मामले में सियासी बवाल

» विजय सरकार के नेता आधव अर्जुन पर डीएमके का प्रहार
» टीवीके एमएलए के भाई ने डीएमके पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने ड्रग तस्करी के मामले में तमिलनाडु में सियासी बवाल मच गया है। इसको लेकर टीवीके और डीएमके आमने-सामने हैं। दरअसल ईडी ने जॉन ब्रिटो नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। डीएमके ने एक्स पर टीवीके नेता आधव अर्जुन को उनके रिश्तेदार के इस मामले से जुड़े होने के कारण शर्मिंदा करने की कोशिश की। लेकिन दोनों अलग-अलग लोग हैं, और अब जिस ब्रिटो को गलती से इसमें घसीटा गया था, उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

डीएमके और उसके ऑनलाइन नेटवर्क को नोटिस

बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे और मेरे रिश्तेदारों के बारे में गलत खबरें फैलाई जा रही हैं। वह जॉन ब्रिटो अलग व्यक्ति है। आधव अर्जुन की सास लीना रोज़ मार्टिन, जो लालगुडी से एआईएडीएमके की एमएलए हैं, जॉन ब्रिटो की बहन हैं। कानूनी नोटिस में डीएमके और उसके ऑनलाइन नेटवर्क पर अर्जुन का नाम जॉन ब्रिटो से जोड़ने वाले झूठे और मानहानि करने वाले दावे करने का आरोप लगाया गया है। जॉन ब्रिटो को इस मामले में डायरेक्टरेट ऑफ़ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने गिरफ्तार किया था। अर्जुन ने चेतावनी दी है कि अगर तय समय के अंदर मांग पूरी नहीं की गई, तो वह तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और इन दावों को फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे।

मेरे और मेरे रिश्तेदारों के बारे में झूठी खबरें फैलाई जा रही : ब्रिटो

अर्जुन के रिश्तेदार ब्रिटो ने पत्रकारों को बताया कि मेरा नाम जॉन ब्रिटो है और मैं कोयंबटूर में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग का बिज़नेस करता हूँ। मेरी बहन लालगुडी से एमएलए हैं। मेरे और मेरे रिश्तेदारों के बारे में झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं। वह जॉन ब्रिटो कोई और है। मैं ड्रग तस्करी के किसी मामले में शामिल नहीं हूं, लेकिन नाम एक जैसा होने की वजह से ऐसा कहा जा रहा है। मैंने कमिश्नर के ऑफिस में शिकायत दर्ज कराई है। डीएमके के आईटी विंग ने वे ट्वीट्स हटा दिए हैं। इस बीच, अर्जुन ने पूर्व सीएम एमके स्टालिन और डीएमके के आईटी विंग के खिलाफ़ केस किया है। उन्होंने टीवीके नेता का नाम ड्रग तस्करी के मामले से जोड़ने के आरोपों को लेकर 48 घंटे के अंदर सार्वजनिक माफ़ी और 1 करोड़ रुपये की मांग की है।

पंजाब सीएम मान की इस्तीफे की मांग तेज

» भाजपा समेत विपक्ष ने आप को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठ गए हैं, क्योंकि सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त साहिब ने उन्हें गुरु-द्रोही और पंथ-विरोधी करार दिया है। मान ने जिस विवादित वीडियो को एआई-निर्मित बताकर खारिज किया था, उसकी फोरेंसिक जांच में दो मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं ने उसे असली पाया है, जिससे उनके पद पर बने रहने का नैतिक आधार कमजोर हो गया है। भाजपा समेत कई विपक्षी दलों ने इसको लेकर आप को घेरा है।

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने बुधवार को कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। यह बात सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था, श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा एक विवादित वीडियो पर दिए गए फैसले के बाद कही गई है, इस वीडियो में कथित तौर पर सिख धर्म की सम्मानित हस्तियों और भावनाओं का अनादर किया गया है। चुघ ने याद दिलाया कि जब कई महीने पहले यह वीडियो पहली बार सामने आया था, तो मान ने इसे बनावटी बताते हुए खारिज कर दिया था और दावा किया था कि इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके बनाया गया है। वह श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के सामने पेश हुए और चुनौती दी कि किसी सक्षम एजेंसी से इस वीडियो की जांच कराई जाए, क्योंकि यह नकली है। इस तरह मान ने अपनी विश्वसनीयता को उस जांच के नतीजे पर टिका दिया था। 15 जून को पंथिक हस्तियों, संस्थाओं और सिख संगठनों के साथ हुई बातचीत में सारी सच्चाई सामने आ गई। चुघ ने कहा कि वीडियो को देश की दो मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया और दोनों ने बिना किसी संदेह के यह निष्कर्ष निकाला कि वीडियो असली था, उसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई थी और वह एआई से नहीं बनाया गया था।

गिल की कप्तानी में भारत ने जीती पहली वनडे सीरीज

» शुभमन-ईशन के शतक के बाद अर्शदीप व बरार की गेंदबाजी से अफगान को 170 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शुभमन गिल और ईशान किशन की बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से भारत ने अफगानिस्तान को दूसरे वनडे मैच में 170 रनों से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 402 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने 44.3 ओवर में 232 रन बनाए। भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। इस तरह गिल की कप्तानी में भारत ने पहली वनडे सीरीज जीती है।

अफगानिस्तान की टीम अर्शदीप, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के सामने कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी। अफगानिस्तान की ओर से रहमत शाह ने सर्वाधिक 79 रन बनाए, जबकि सेदिकुल्लाह अटल (42) और रहमानुल्लाह गुरबाज (41) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। इससे पहले, अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने वनडे इतिहास में आठवीं बार 400 रनों का आंकड़ा पार किया है और वह इस मामले में दक्षिण अफ्रीका की बराबरी पर पहुंच गया। भारत के लिए इस मैच में गिल और ईशान ने शतक लगाए। रोहित हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए और 48 रन बनाकर आउट हुए। ईशान 125 रन बनाकर आउट हुए। ईशान और गिल के बीच तीसरे विकेट के लिए 224 रनों की साझेदारी हुई। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन गिल ने बनाए जो 154 रन बनाकर आउट हुए। एक समय भारतीय टीम 450 रन का आंकड़ा पार करने की स्थिति में दिखाई दे रही थी, लेकिन गिल और ईशान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने वापसी की और भारत को लगातार झटके दिए। भारत ने आखिरी के छह विकेट 42 रन के अंदर गंवाए। यह पहली बार है जब वनडे में कोई टीम 400+ रन बनाने के बावजूद ऑलआउट हो गई।

भारतीय महिला टीम का टी20 विश्वकप में सर्वोच्च स्कोर

लखनऊ। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। लीड्स में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 209 रन बनाए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 गेंदों में 115 रन की साझेदारी हुई। शेफाली 55 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मंधाना के रूप में दूसरा झटका लगा। मंधाना 74 रन बनाकर आउट हुईं। फिर ऋचा घोष (नाबाद 20) और दीप्ति शर्मा (नाबाद 10) की पारी ने भारत को 209/5 के स्कोर तक पहुंचाया। इस मैच में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप में किसी भी टीम के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। इस मामले में शीर्ष पर इंग्लैंड है, जिसने श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में 219/1 रन बनाए। दूसरे स्थान पर भी इंग्लैंड की टीम है, जिसने 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ 213/5 का स्कोर बनाया था। भारत ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में 194/5 का टोटल बनाया था। वहीं, महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांचवीं बार 200 से ज्यादा स्कोर बनाया। दिलचस्प बात यह है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह भारत का किसी भी टीम के खिलाफ चौथा सबसे बड़ा स्कोर है।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव

महायुति ने 6 सीटें निर्विरोध जीतीं, 11 सीटों पर कल मतदान होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों की 17 सीटों में से छह पर निर्विरोध जीत हासिल करके सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया है, जबकि बाकी 11 सीटों के लिए मतदान 19 जून को होना है।

वोटों की गिनती 22 जून को होगी। बिना किसी मुकाबले के जीती गई छह सीटों में से भाजपा, शिवसेना और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ने दो-दो सीटें जीतीं। महायुति के सीट-शेयरिंग समझौते के तहत, बीजेपी ने 11 सीटों पर, शिवसेना ने चार सीटों पर और एनसीपी ने दो सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे।

परिसीमन को लेकर नायडू और थरूर में भिड़ंत

» नायडू के ड्राइवर की सैलरी का उदाहरण देकर समझाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा परिसीमन को लेकर दिए गए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के बयान पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तर्क दिया कि परिसीमन में सीटों के विस्तार का प्रस्ताव उत्तर भारतीय राज्यों की तुलना में साउथ के स्टेट के लिए ज्यादा फायदेमंद नहीं होगा। कांग्रेस सांसद ने आंध्रा सीएम पर निशाना साधते हुए उनकी और उनकी ड्राइवर की सैलरी में इजाफे का उदाहरण देते हुए सवाल पूछा कि क्या आपको दक्षिण भारत के राज्यों की फिक्र नहीं है?

शशि थरूर ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, नायडू जी, चलिए एक प्रयोग करते हैं, मान लेते हैं आपकी सैलरी 2 लाख रुपये है, जबकि आपके ड्राइवर की सैलरी 20 हजार रुपये। आप सभी के लिए 50 फीसदी इजाफे का ऐलान करते हैं, ऐसे में आपकी सैलरी 3 लाख रुपये होगी और ड्राइवर की 30 हजार रुपये, प्रतिशत और रेशियो में यह बढ़ोतरी बराबर है, लेकिन क्या आप पहले की तुलना में ज्यादा बेहतर स्थिति में नहीं होंगे, जितना आप ड्राइवर की तुलना में पहले थे?

वाह री नगर निगम: डिप्टी सीएम की तो सुन लो?

» केशव मौर्य के घर में भरा नाले का गंदा पानी शिकायत के बाद भी निदान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के नगर निगम के लापरवाही का खामियाजा जनता तो भुगतती ही है अब तो प्रदेश उपमुख्यमंत्री भी उसकी कारस्तानी के शिकार हो गए हैं। नगर निगम की इस हरकत पर सोशन मीडिया पर लोग कमेंट करने लगे हैं जब राज्य के डिप्टी सीएम की शिकायत नगर निगम नहीं सुन रहा तो आम आदमी की कौन सुधि लेगा। बता दें राजधानी में केशव के सरकारी आवास पर पिछले पांच दिनों में दूसरी बार नाले और सीवर का गंदा पानी भर गया। शिकायत और निरीक्षण के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान न होने पर उपमुख्यमंत्री कार्यालय ने नगर निगम के प्रति कड़ी नाराजगी जताई है।

उपमुख्यमंत्री का आवास सात कालिदास मार्ग पर है। पिछले एक सप्ताह में यहां कई बार नाले का पानी घर के अंदर लॉन में भर चुका है। 12 जून को जब पानी भरा था तो नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और पानी निकालकर चली आई थी। टीम ने ये भी कहा था कि अगले दिन आकर वह समस्या का स्थायी निदान करेंगे। मंगलवार को फिर लॉन में गंदा पानी भर गया। इससे उपमुख्यमंत्री बहुत नाराज हुए। उनके निजी सचिव ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर कहा है कि उपमुख्यमंत्री के आवास के अंदर सीवर-नाले का पानी आ रहा है। इस बारे में निगम के जनसंपर्क अधिकारी को अवगत कराया गया था। आवास पर निरीक्षण के लिए जेई प्रतिमा यादव एवं किशोरी लाल पहुंचे थे। दोनों ने आश्वासन दिया कि अगले दिन समस्या का समाधान करा दिया जाएगा, लेकिन समाधान हुआ नहीं। ऐसे में समस्या दूर कराने में लापरवाही करने वाले संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी की जाए।

हर साल बारिश में आवास में पानी भरता है

जानकारों ने बताया इन अधिशासी अभियंता अतुल मिश्रा अवकाश पर हैं और सहायक अभियंता अवधेश सिंह ड्यूटी पर हैं। उनको वहां पर जाना चाहिए था मगर वह मौके पर नहीं गए। यदि वह जाते तो समस्या दूर हो जाती। जानकारों ने यह भी बताया कि हर साल बारिश में आवास में पानी भरता है, मगर अब तक स्थायी हल नहीं किया गया।

परीक्षा धांधली और उच्च शुल्क जैसे मुद्दों को सरकार तक पहुंचाएं युवा : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज अभियान में छात्रों से जुड़ने का किया आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोटा। कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज अभियान में छात्रों से जुड़ने का आह्वान किया है, जिसका लक्ष्य शिक्षा, परीक्षा धांधली और उच्च शुल्क जैसे मुद्दों को सरकार तक पहुँचाना है। यह कांग्रेस की एक व्यापक पहल है जो सस्ती शिक्षा और निष्पक्ष रोज़गार के लिए युवाओं की आवाज़ बुलंद करेगी, जिसकी शुरुआत कोटा से हुई।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्रों और नौकरी चाहने वालों से हाल ही में शुरू किए गए छात्रों की गूंज% अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद शिक्षा, परीक्षाओं और रोज़गार से जुड़े उनके मुद्दों को सीधे सरकार तक पहुंचाना है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने हिंदी में लिखा कि अगर आपने पेपर लीक, परीक्षा में धोखाधड़ी या बहुत ज़्यादा फ़ीस का दर्द सहा है। अगर इस सिस्टम ने आपके सपने तोड़ दिए हैं। अगर आपके परिवार ने आपकी पढ़ाई में अपनी ज़िंदगी भर की कमाई लगा दी है। तो सुनिए- 'स्टूडेंट्स इको' आपकी आवाज़ है।

उन्होंने इस मुहिम को सिर्फ़ एक मुहिम से कहीं ज़्यादा बताया और इसे सरकार के सामने सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाओं और सम्मानजनक रोज़गार से जुड़ी माँगें उठाने का एक मंच कहा। गांधी ने सुझाव देकर और इससे जुड़ी याचिका पर हस्ताक्षर करके इसमें शामिल होने की अपील की और ज़ोर देते हुए कहा कि आपका एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मज़बूत करेगा। जितने ज़्यादा नाम होंगे, आवाज़ उतनी ही बुलंद होगी।

छात्रों की गूंज नाम से एक देशव्यापी अभियान चलाएगी कांग्रेस

इससे पहले, कांग्रेस ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्रों की गूंज नाम से एक देशव्यापी अभियान की घोषणा की थी। इस पहल में देश भर में और संसद के भीतर विरोध प्रदर्शन, लोगों तक पहुँचने के कार्यक्रम और चर्चाएँ शामिल होंगी। पार्टी ने कहा कि इस अभियान का मकसद कोचिंग फीस, पेपर लीक, शिक्षा तक पहुँच और रोज़गार के मौकों जैसे मुद्दों को उजागर करना है।

माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों को निशाना बना रही मोदी सरकार

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट-यूजी पेपर लीक की चिंताओं के बीच टेलीग्राम पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों को निशाना बना रही है। यह कदम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा मंगलवार को भारत में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर एक तय और सीमित समय के लिए रोक लगाने के बाद उठाया गया है। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी, जिसमें नीट (यूजी)26 की दोबारा परीक्षा का दिन और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल है। एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि टेलीग्राम पर बैन- पेपर लीक रोकने के लिए मोदी सरकार का नया हथकंडा। यानी, चोर को पकड़ने के बजाय, पीड़ित के दरवाज़े पर ही ताला लगा दो। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि लाखों छात्र सालों से टेलीग्राम पर पढ़ाई कर रहे हैं और पेपर लीक की समस्या का समाधान इस सुविधा को छीनना नहीं है। पोस्ट में लिखा था कि लाखों छात्र सालों से टेलीग्राम पर पढ़ाई कर रहे हैं - नोट्स, टेस्ट सीरीज़, चर्चा और तैयारी। तो फिर, उस सुविधा को छीनना पेपर लीक का समाधान कैसे हो सकता है?

नेता प्रतिपक्ष की अपील से जागेगी युवा शक्ति : सचिन पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा से पहले राहुल गांधी का कोटा दौरा पेपर लीक के मामले में जवाब मांगने के मकसद से है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन का गांधी का आह्वान जवाबदेही की मांग को लेकर पूरे भारत के युवाओं को एकजुट करेगा। पायलट ने नीट-यूजी पेपर लीक विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। पायलट ने कहा कि देश एक चुनौती का सामना कर रहा है। पेपर लीक की वजह से लाखों परिवारों के साथ धोखा हुआ है, उनकी मेहनत बेकार चली गई है। राहुल गांधी इस धोखाधड़ी के लिए जवाबदेही तय करने के लिए यहां आ रहे हैं। शिक्षा मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए था... राहुल गांधी की अपील न केवल राजस्थान में बल्कि पूरे देश में युवाओं को एकजुट करेगी और जवाबदेही की मांग करेगी।

झारखंड की दो राज्यसभा सीटों पर मतदान जारी

» एनडीए व इंडिया गठबंधन में घमासान

» क्रास वोटिंग के खतरे में घिरे दोनों दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए आज विधानसभा में मतदान हो रहा है, जिसने राज्य के सियासी पारे को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। यह चुनाव सत्तारूढ़ इंडिया गइबंधन और विपक्षी एनडीए गठबंधन के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका है। गौरतलब है कि एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामूमो) के दिग्गज नेता और सह-संस्थापक स्वर्गीय शिबू सोरेन के निधन के बाद खाली हुई थी, जबकि दूसरी सीट बीजेपी नेता दीपक प्रकाश का कार्यकाल 21 जून को समाप्त होने के कारण खाली हो रही है।

इंडिया ब्लॉक के पास संख्या के हिसाब से बढ़त दिख रही है। उनके पास कुल 56 विधायक हैं — जिनमें झामूमो के 34, कांग्रेस के 16, राष्ट्रीय जनता दल के चार और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के दो विधायक शामिल हैं। दूसरी ओर, नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के पास 24 विधायक हैं। इसमें बीजेपी के 21 विधायक शामिल हैं, साथ ही एलजीपी (राम विलास), एएसजेयू पार्टी और जेडीयू का एक-एक विधायक भी है। इसके अलावा, विधानसभा में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का भी एक विधायक है।

हालांकि इंकडया ब्लॉक दोनों सीटें जीतने की स्थिति में है, लेकिन निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवानी की एंट्री से मुकाबला और पेचीदा हो गया है। उन्हें भाजपा का समर्थन हासिल है और उम्मीद है कि वे इंडिया ब्लॉक के भीतर से होने वाली संभावित क्रॉस-वोटिंग पर निर्भर रहेंगे। नथवानी तीन बार राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं, जिससे इस कड़े मुकाबले में उनकी उम्मीदवारी को और मज़बूती मिलती है। उनका पहला कार्यकाल 2००8 से 14 तक था, जब वे निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुने गए थे। खबरों के मुताबिक, कई विधायकों ने उनके पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी। नथवानी का दूसरा कार्यकाल 14 से 2०2० तक चला, जिसके दौरान वे भारतीय जनता पार्टी और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के समर्थन से राज्यसभा के लिए चुने गए। इसके बाद 2०2० में उन्होंने आंध्र प्रदेश से राज्यसभा में अपना तीसरा कार्यकाल हासिल किया, इस बार उन्हें युवाजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी का समर्थन मिला था। कांग्रेस और बीजेपी, दोनों ही अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं और दोनों ही पक्ष सार्वजनिक रूप से खुद को आगे बता रहे हैं।

हमारा झारखंड है और हम जीतने जा रहे हैं : इरफान अंसारी

इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी ने कहा क्या कहा जाए? यह हमारी सीट है, यह हमारा झारखंड है और हम जीतने जा रहे हैं। इसमें क्या समस्या है? किसने कहा कि आंकड़े हमारे पक्ष में नहीं हैं? यहां आंकड़े विपक्ष के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं। वे महागठबंधन के पक्ष में हैं। बीजेपी कहीं भी आसपास नहीं है। बीजेपी के लोग झारखंड को बदनाम करने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। नौबत यहां तक क्यों आई? जब बीजेपी के पास आंकड़े ही नहीं हैं, तो आप बेवजह मैदान में क्यों कूद रहे हैं?

ममता बनर्जी गुट को हाईकोर्ट से झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोई भी अंतरिम आदेश पास करने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार स्पीकर का फैसला बरकरार रहेगा। तृणमूल कांग्रेस के नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने नेता प्रतिपक्ष के तौर पर टीएमसी के बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी की नियुक्ति को चुनौती दी है।

टीएमसी की तरफ से दो नाम नेता प्रतिपक्ष के लिए गए थे। शोभनदेब चट्टोपाध्याय के नाम का प्रस्ताव टीएमसी नेतृत्व के गुट की तरफ से भेजा गया, जबकि पार्टी के बागी विधायकों के गुट ने ऋतब्रत बनर्जी का नाम भेजा, जिसे पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथींद्र बसु ने स्वीकार किया और उन्हें नेता प्रतिपक्ष नियुक्त कर दिया। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार (18 जून, 26) को शोभनदेब चट्टोपाध्याय की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि वह स्पीकर के फैसले पर कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं कर रहा है।

जस्टिस कृष्ण राव ने सभी पक्षों को विरोध में हलफनामा दाखिल करने और दो हफ्ते में जवाब देने का निर्देश दिया है अब अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

चंबा में बोलेरो गाड़ी खाई में गिरी, 7 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में वीरवार को चंबा-मसरूंड मार्ग पर छतरूंड के समीप एक बोलेरो अनियंत्रित होकर करीब 5०० मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे ने क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोलेरो में ग्राम महल पंचायत के सपरोठ गांव के छह लोग, जिनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल थे और वाहन का चालक सवार था।

ये सभी लोग काकड़ोथा गांव में आयोजित एक मुंडन संस्कार में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान छतरूंड के पास अनियंत्रित होकर वाहन सड़क से लुढ़क गया और खाई में समा गया। खाई की गहराई लगभग 5०० मीटर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। गहरी खाई से सभी सात शवों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों की पुष्टि हो सके।

शिवसेना यूबीटी के 6 बागियों को कारण बताओ नोटिस

» गैर-हाजिरी का कारण पूछा गया : देसाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने गुरुवार को उन सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जो संसदीय दल की एक अहम बैठक में शामिल नहीं हुए थे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना में शामिल हो सकते हैं।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी सांसद अनिल देसाई ने कहा कि बैठक में शामिल न होने वाले सांसदों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है और अनुपस्थित रहने वाले सभी सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे गैर-हाजिरी का

कारण पूछा गया है। देसाई ने कहा कि बैठक अभी खत्म हुई है, आज ही कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। जब उनसे पूछा गया कि बैठक में शामिल न होने वालों के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई की जाएगी, तो उन्होंने कहा कि कार्रवाई यही है- कारण बताओ नोटिस। उनसे पूछा जाएगा कि वे क्यों नहीं आए। जो लोग नहीं आए, उन सभी को नोटिस दिया जाएगा।

इस बात पर ज़ोर देते हुए कि पार्टी सभी गैर-मौजूद सांसदों से जवाब मांगेगी, देसाई ने कहा, हां, सभी को नोटिस भेजा जाएगा। गैर-मौजूद सांसदों से खास तौर पर क्या पूछा जाएगा, इस पर शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि सवाल कुछ ऐसे होंगे। आपको जानकारी दी गई थी, आपको मैसेज भेजा गया था, आपको व्हाटसप किया गया था, और आपको वह मिला भी था।

फिर भी आपने यह नहीं बताया कि आप आ रहे हैं या नहीं, इसलिए आपकी गैर-मौजूदगी को इसी नज़रिए से देखा जाएगा। इस बीच, बैठक में शामिल होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे ने बताया कि बैठक में छह सांसद मौजूद नहीं थे। ऑपरेशन टाइगर के तहत पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच गुरुवार को दिल्ली में पार्टी के संसद कार्यालय में शिवसेना (यूबीटी) सांसदों की बैठक हुई। इस दौरान वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा कि जो सांसद बैठक में शामिल नहीं होंगे, उन्हें गद्दार माना जाएगा।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार** : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | **Email** : daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**